अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पुण्य-पाप–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

पुण्य : किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) स्वाध्याय का पांचवां प्रकार कौन सा है? उत्तराध्ययन सूत्र में इसका क्या नाम बताया है?

(ख) किन कारणों से जीव किल्विषी देव योग्य कर्म बन्ध करता है?

(ग) क्षण-लय संवेग से आप क्या समझते हैं?

(घ) दस अंग वाली भोग सामग्री कौन सी है?

(ङ) पुण्य की अनन्त पर्याय कैसे है?

(च) अपार्श्वस्थता का क्या अर्थ है?

पाप : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) गौरव का अर्थ बताते हुए सात गौरव को व्याख्यायित करें।

(ज) अवर्णवाद का अर्थ क्या है?

(झ) बन्धन नाम कर्म किसे कहते हैं?

(ञ) एकेन्द्रिय जीव कितनी दिशाओं से कर्म पुद्गल ग्रहण करते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) पुण्य–सिद्ध करें कि पुण्य कर्म पुद्गल के विशिष्ट परिणाम प्राप्त स्कन्ध हैं

अथवा

निदान रहित क्रिया का क्या फल विपाक है?

(ख) जीव भारी और हल्का कैसे होता है?

अथवा

नौ कषाय का अर्थ बताते हुए चौथी, पांचवी, छट्ठी प्रकृति का उल्लेख करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 24

(क) पुण्य–पौद्गलिक सुख व आत्मिक सुख में क्या अन्तर है?

अथवा

पुण्य के नौ बोल अपेक्षा सहित हैं या अपेक्षा रहित हैं?

(ख) पाप–सिद्ध करें कि पाप कर्म पुद्गल रूपी पदार्थ है?

अथवा

चारित्र मोहनीय कर्म की प्रकृत्ति व उत्तर प्रकृत्तियों का वर्णन करें।

अवबोध–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 6

(क) पहले निर्जरा होती है या पुण्य का बंध?

(ख) क्या केवली समुद्घात में मोक्ष हो सकता है?

(ग) क्या अकर्म भूमि से सिद्ध हो सकते हैं?

(घ) कार्मण शरीर और बंध एक है या दो?

(ङ) ज्योतिष्क देव कहां रहते हैं?

(च) स्थिति बंध किसे कहते हैं?

(छ) क्या अभवी जीव सभी प्रकार के देवों में उत्पन्न होते हैं?

(ज) क्या अभवी के भी सकाम निर्जरा हो सकती है?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दें– 12

(क) उजला लेखे, करणी लेखे निर्जरा का क्या स्वरूप है?

(ख) क्या निर्जरा से मात्र अशुभ कर्म ही टूटते हैं?

(ग) कर्म बंध के समय प्रदेश बंध आदि चारों का होता है या तीन दो एक का हो सकता है?

(घ) कर्म के कर्म लगता है या आत्मा के कर्म लगता है?

(ङ) मुक्तात्माएं कहां रहती हैं?

(च) समुद्घात किसे कहते हैं? तैजस् समुद्घात को व्याख्यायित करें।

(छ) त्रायस्त्रिंशक देव कौन होते हैं? क्या वे सभी जाति के देवों के अन्तर्गत हैं?

(ज) क्या क्षायक सम्यक्त्वी देवता के तीर्थंकर गोत्र का बन्ध हो सकता है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दें– 12

(क) क्षयोपशम के बत्तीस गुण निर्जराजन्य है, क्या क्षायक व उपशम के गुण भी निर्जराजन्य है?

(ख) बंध के प्रकार बताते हुए अन्तिम दो की व्याख्या करें।

(ग) केवली समुद्घात का क्रम क्या है?

(घ) देवलोक से देव च्युत (मरकर) होकर कहां-कहां जाते हैं?

(ङ) सिद्धों की अवगाहना बताते हुए यह स्पष्ट करें कि एक समय में एक साथ कितने सिद्ध हो सकते हैं?

गीतिका (दस दान अठारह पाप)–20

प्र. 7 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें– 16

(क) जूनो छै.....नहीं ए।।

(ख) आणंद आदि.....पाधरी ए।।

(ग) इविरत सूं.....पारिखा ए।।

(घ) घणां नीं.....दान ए।।

(ङ) सचित्तादिक.....दान ए।।

(च) इम सांभल.....भाष ए।।

प्र. 8 कोई चार प्रश्नों के उत्तर दें– 4

(क) कारूण्य दान से क्या तात्पर्य है?

(ख) सहयोगी को आभार मान कर दिया जाने वाला दान कौन सा है?

(ग) श्रावक को रत्नों की खान किस अपेक्षा से कहा गया है?

(घ) संसार परीत का क्या अर्थ है? कौन से व्यक्ति संसार परीत कर लेते हैं?

(ङ) किसको तत्त्व की समझ जल्दी आ जाती है?

No